माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हायर सेकेण्डरी

केन्द्र क्रमांक की सील: C.No.251024

1. निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।
विषय कोड 1 3 0 परीक्षा का विषय राजनीति

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 23/03/03

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C,या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2034-D	D

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

1 / एक

4058452

अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

	5	1	7	8	2	3

ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को

					दो	तीन

शिक्षा मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :–

क :– संख्या शब्दों में शून्य अंकों में 0

ख :– परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 07 में है।

ग :– उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नम्बर एवं से[ट] सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) _______

नाम L. S. Rajput पद Asstt. Teacher

पता / संस्था P/S Medikhedo

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें मु[ख्य] उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पु[स्तिकाओं को] चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन [किया गया है।] पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक[...]

हस्ताक्षर (परीक्षक) _______

परीक्षक क्रमांक 9170306

हस्ताक्षर (उपमु[ख्य परीक्षक])

दिनांक........................

दिनांक........................

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक / विषय / माध्यम / दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोडें। भूल से छूटा / रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिला कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

प्रश्न - 1 का उत्तर :-

रिक्त स्थान -

(1) चतुर्थ श्रेणी

(2) संविधान का

(3) 27 प्रतिशत

(4) संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना

(5) सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक आयाम है।

प्रश्न - 2 का उत्तर :-

सत्य - असत्य

(1) सत्य

(2) असत्य

(3) असत्य

(4) सत्य

(5) सत्य

BSEMF

प्रश्न - 3 का उत्तर :-

(अ)	(ब)
(अ) कनाडा का संविधान	14 अनुच्छेद
(ब) बुन्देलखण्ड	उत्तर प्रदेश
(स) हरारे शिखर सम्मेलन	1986
(द) सी.टी.बी.टी.	1996
(इ) आर्थिक उदारीकरण	व्यापार प्रतिबंधों का अभाव

प्रश्न - 4 का उत्तर :-

(1) 15 मार्च 1950

(2) वी॰ जे॰ खेर

(3) शीत युद्ध

(4) धर्मनिरपेक्षता

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(5) सुरक्षा परिषद को ।

प्रश्न - 5 का उत्तर :-

सही विकल्प —

(1) डॉ॰ सच्चिदानन्द सिन्हा

(2) 1946

(3) भारत और अमेरिका

(4) 1 नवम्बर 1956 मे

(5) आशिक्षा (संवेदना)

प्रश्न - 6 का उत्तर :-

भारत - विभाजन मुख्यतः अल्पसंख्यकों को एक दुखद त्रासदी लेकर आया। भारत विभाजन के उपरान्त 1 करोड़ शरणार्थी पाकिस्तान से भारत आये और 25 लाख शरणार्थी भारत से पाकिस्तान को गये। इनमें शरणार्थी की पुर्नवास की समस्याओं को और क्षतिपूर्ति भूमि की समस्याओं को जन्म दिया।

मुख्यतः शरणार्थीयो की समस्या को हल उस उपाध्याय ने अपनी पुस्तक मे इस तरह —

उल्लेखित किया। इन शरणार्थीयो मे भूल से दुख रहा गला और लाल आखे तथा भूख-प्यास के मारे तथा अप्रत्याशित आवाज तथा कभी एक पाँव मे भूता है। तो कभी वह भी नही इस प्रकार यह शरणार्थी विस्थापन के शिकार थे। तथा यह निरन्तर चलायमान थे मे कहाँ जा रहे थे इन्हे तो यह भी पता नहि था इस प्रकार शरणार्थी समस्या ने भारत को अधिक प्रभावित किया।

I S E M P

प्रश्न - 7 का उत्तर :-

पिछडे वर्ग :- जो वर्ग विकास की दौड मे पीछे रह गये तथा जिनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति बिगडी रही और यह अपनी पूर्णता से विकास नहि कर पाये। पिछडे वर्ग थे। तथा इन्हे अनुसूचित जाति और जन जाति की सुची मे भी शामिल नहि किया जा सका।

(1) जो प्रायः छोटे भू-स्वामी हो।

(2) जिन्हे शैक्षणिक - आर्थिक विकास की पूर्णता को न प्राप्त कर पाया हो।

(3) जिनका नाम - पिछडा वर्ग आयोग की सूची मे हो।

7

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 7 के अंक | कुल अंक

प्रश्न - 8 का उत्तर :-

निरक्षरता व्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करती है। प्राय: निरक्षर व्यक्ति न तो अपने स्वयं स्वतंत्र तरीके से निर्णय ले पाता है। तथा न ही उसमे इतनी बौद्धिक क्षमता होती है।

अपने स्वयं के निर्णय की स्वतंत्रता लोकतंत्र प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध कराता है परन्तु वास्तव मे इसका वही व्यक्ति उपयोग कर सकता है। जो शिक्षित है।

तथा निरक्षर व्यक्ति मताधिकार मे ही अपने सामाजिक आर्थिक हितो को पूरा करने मे असमर्थ सिद्ध होता है। तथा व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व के विकास के भरपूर अवसर निरक्षरता के कारण नही मिल पाते इस प्रकार निरक्षरता के कारण भारतीय लोकतंत्र मे अराजकता फैल जाती है। तथा लोकतंत्र वर्गतंत्र मे बदल जाता है।

निरक्षरता लोकतंत्र को बाधित करने मे महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है।

प्रश्न - 9 का उत्तर :-

प्र०-9

भारत मे पर्यावरण प्रदूषण अन्य कारणों की वजह से फैल रहा है। भारत की भौतिक समृद्धि की चाह ने पर्यावरण को नष्ट करने मे कोई कसर नही छोड़ी।

BSEMP

पृष्ठ सं

योग पूर्व पृष्ठ 5

कारण :-

(1) भौतिक विकास का असन्तुलित कार्यक्रम।

(2) असन्तुलित विकास।

(3) वनो का विनाश।

(4) खनन

(5) कृषि का व्यापारीकरण मे बदलना।

(6) प्रदूषण उत्पन्न करने वाले उद्योगो का विकास।

(1) भौतिक विकास :- आज व्यक्ति भौतिक विकास की चाह मे केवल प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाना ही चाहता है। इस रूप मे इसने प्रकृति को भुला दिया है और केवल समाज को व्यक्ति का समाज ही समझने लगा है। तथा यह भूल गया की प्रकृति के समक्ष वह अन्य जीवजन्तुओ की तरह है। आज व्यक्ति ने लगभग 15 करोड़ वन्य जातियो को विनाश के द्वार पर पहुचा दिया है।

(2) वनो का विनाश :- वनो के विनाश ने भी प्रकृति को प्रभावित किया आज औद्योगीकरण और नगरीकरण से दिन प्रति दिन वनो का विनाश हो रहा है। तथा व्यक्ति यह सोचने का समय भी नहि ले रहा है कि इनसे निकलने वाला धुआ तथा जिरोली गैसे कहाँ जायेगी।

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

प्रश्न-10 का उत्तर :-

भारतीय विदेश नीति को प्रभावित करने वाले कारक।

(1) आर्थिक कारण

(2) सैनिक कारण

(3) भौगोलिक कारण

(4) राजनीतिक कारण

(5) विचारधारा

(1) आर्थिक कारण :- विदेश नीति के आर्थिक कारक मुख्यतः सभी तरह से प्रभावित करने वाला कारक है। आर्थिक कारण होने से ही वह देश अपनी सम्पन्नता तथा विशिष्टता को बनाया रख सकता है। क्योंकि अस्त्रों के निर्माण या आपूर्ति के धन की आवश्यकता सर्वोपरि है।

(2) सैनिक कारण :- सैनिक कारण विदेश नीति का निर्णायक तत्व है। इसके कारण ही देश की रक्षा की जा सकती है। अतः यह भी कहीं न कहीं धन पर निर्भर है। अतः दोनों एक दूसरे के सम्पूरक है।

(3) राजनीति कारण :- राजनीति कारण मे भारत माध्यम श्रेणी का राष्ट्र है। अतः इसमे समुन्नत प्रौद्योगिकी आंशिक रूप से ही सफल हो सकी।

(c) भौगोलिक कारण :- भौगोलिक कारण भारतीय विदेश नीति का महत्व पूर्ण कारण है तथा भारत की स्थिति तो इस प्रकार है कि इसमे पूर्वी दक्षिण एशिया तथा चीन आदि देशो के आसानी से प्रवेश किया जा सकता है।

अतः इसमे हिमालय तथा हिन्द महासागर की रक्षा इसका पर्याय बन गया है।

प्रश्न - 11 का उत्तर

भारत बंग्लादेश तनाव का कारण मुख्यतः गंगा जल बटवारा और शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या के पश्चात इसमे लगातार तनावो का दौर बना हुआ है। सन 1971 मे बंग्लादेश का निर्माण श्री मती इन्दिरा गाँधी के नेतृत्व मे किया गया था तथा इसमे जब भारत-पाक युद्ध चल रहा था तभी इसके निर्माण का प्रादुर्भाव पूर्ण हुआ इसका प्रमुख कारण पूर्वी तथा दक्षिण पाकिस्तान मे संघर्ष दक्षिण पाकिस्तान इसके रितलक बर्बरता का दमन चक्र चल रहा था तब पूर्वी बंग्लादेश के शरणार्थी भारत आये भारत ने इस पर विरोध प्रकट किया और रोकने को कहा परन्तु पाकिस्तान

DSEMP

जो इसे नहीं रोका। तथा इस प्रकार बंग्ला का निर्माण किया गया।

जब 1997 मे गंगाजल बटवारे के तहत फरक्का समझौता किया गया है इसने जब पानी की बहुत कमी होती है। भारत को 35 क्यूसेक पानी देना स्वीकार किया तथा पानी की मात्रा को बढाने का भी निर्णय लिया गया।

अब बंगला देश के साथ सम्बंध कुछ बिगड़ा है। तथा बंग्ला देश मे भारत विरोधी शक्तियाँ ही इसे भड़काने मे मदद कर रही है। और बंगलादेश से संधि के तहत ही वार्ता का कुछ सौहार्द पूर्ण सम्बंध बना था। परन्तु यह अधिक समय तक नही चल सका और इनमे फिर खटाई उत्पन्न हो गयी है।

प्रश्न - 12 का उत्तर

वैश्वीकरण के समक्ष चुनौतियाँ।

(1) प्रतिस्पर्द्धा बनाये रखना।

(2) अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था से एकीकरण करना।

(3) उपभोक्ता वस्तुओं का निर्माण करना।

(4) परिवर्तन की क्षमता बनाये रखना

BSEMF

(ए) स्पर्द्धा बनाये रखना :- वैश्वीकरण की प्रमुख चुनौती अन्य देशो से प्रतिस्पर्द्धा को बनाये रखना तथा उत्पादन की गुणवत्ता को सुधार।

(ख) अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था मे विदेशी पूँजी की बढ़ाना भी इसकी प्रमुख चुनौतियाँ है। तथा विश्व मे सभी राष्ट्रो को एक मुद्रा मे परिचालित करना कठिन कार्य है।

(ग) उपभोक्ता वस्तुओ को बढ़ावा :- वैश्वीकरण मे उपभोक्ता वस्तुओ को अधिक महत्व दिया जाता है। इसमे विलासता पूर्ण वस्तुओ की माँग अपेक्षाकृत अधिक रहती है।

(घ) परिवर्तन की क्षमता बनाये रखना :- विश्व मे वस्तुओ के उपभोग पर वर्तमान तथा अधिक उपयोगी वस्तुओ का निर्माण करना भी इसका सबसे प्रमुख कार्य है।

वैश्वीकरण मे विश्व बाजार व्यवस्था को एकीकृत कर दिया जाता है। तथा एक मंच पर ला खड़ा कर दिया जाता है। प्रतिबंधो को समाप्त कर दिया जाता है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न - 13 का उत्तर

भारत विभाजन के कारण
(1) मुसलमानों में साम्प्रदायिकता की भावना।
(2) अंग्रेजों द्वारा मुस्लिम साम्प्रदायिकता को बढ़ाना
(3) मुस्लिम लीग के प्रति कांग्रेस की तुष्टीकरण की नीति।
(4) अंतरिम सरकार में इसके सदस्यों को शामिल करना।

(1) मुसलमानों में साम्प्रदायिक भावना :- मुस्लिम सदियों से ही हिन्दुओं के साथ में रह रहे हैं। फिर भी इनमें भाई-चारे की भावना का विकास नहीं हो सका इनमें यह भावना धर्मान्धतावश बनी रही तथा इन्हें भावना का यह विकास की हिन्दुओं का राष्ट्र पृथक है। और मुसलमानों का पृथक भावना प्रबल हो गयी और इसको बढ़ाने का श्रेय मिस्टर मुहम्मद जिन्ना तथा इकबाल को जाता है।

(2) अंग्रेजों द्वारा भावना को बढ़ाना :- अंग्रेजों द्वारा मुसलमानों को 1870 से ही संरक्षण दिया जा रहा था तथा यह द्वि राष्ट्र की भावना में विकास विश्वास करते थे। इसमें शिक्षा का लखनऊ समझौता तथा साम्प्रदायिक चुनाव इसी भावना को बढ़ाने के लिए किया गया।

BSEMP
पृष्ठ के अंकों का योग

(3) कांग्रेस की तुष्टीकरण की नीति :- कांग्रेस ने अनेक बार लीग की अनुचित मांगो को माना तो इससे इनका मनोबल बढ़ता गया और अन्ततः इसका अंत भारत विभाजन के रूप मे निकला

(4) अंतरिम सरकार मे सदस्यो को शामिल करना :

अंतरिम सरकार मे सदस्यो को शामिल करने से सरकार की कार्यकारिणी विभक्त हो गयी और यह भी कांग्रेस को मजबूरन विभाजन स्वीकार करना पड़ा साम्प्रदायिक दंगो की वजह से भारत विभाजन हुआ।

प्रश्न- 14 का उत्तर

मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग इसमे तीन सदस्य होते है। एक सदस्य पिछड़ा वर्ग से सम्बंधित तथा अन्य इसके बारे मे विशेष जानकारी युक्त सदस्य होते हैं।

मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग का निर्माण 1993 मे किया गया।

इसमे निम्नलिखित कार्य सौंपे गये।

(1) किसी भी जाति वर्ग की इस मांग की जांच करना की उसे इस वर्ग मे शामिल किया जाये।

EMP

(२) तथा जो जाति अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में आ गयी हैं। उन्हें इससे बाहर निकालने की सिफारिश करना।

(३) इनके विकास कार्यों की सफलतापूर्वक करना तथा अधिकारों के उल्लंघन की जाँच करना।

(४) इनके छात्रों की छात्रवृत्तियाँ तथा अन्य सेवाओं में आरक्षित पदों की रक्षा करना।

(५) इन आयोग से मंत्रालय की सिफारिश तथा इनके कार्यों के क्रियान्वयन पर निगरानी रखना और इनका सामाजिक आर्थिक राजनीतिक विकास को महत्व देना।

प्रश्न - 15 का उत्तर

भारत में क्षेत्रवाद के उदय के कारण निम्नोक्त हैं।

(१) विकास योजनाओं की आंशिक सफलता

(२) प्रशासनिक एवं सरकारी नियंत्रण या इनकी दोषपूर्ण नीति

(३) मानव पूँजी का अभाव

(४) राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी।

BSEMP

(1) विकास योजनाओ की आंशिक सफलता :- विकास योजना की आंशिक सफलता के कारण भी यह योजनाये तथा क्षेत्रवाद को बढाने मे प्रमुख रही।

(2)

(2) प्रशासनिक नियंत्रण :- प्राय राजनीति की उथल-पुथल के कारण भी विकास योजना सफल नही हो पाती क्योंकि इनकी सारी शक्ति अपने को बनाये रखने मे ही लग जाती है।

(3) मानव पूँजी का अभाव :- मानवपूँजी का अभाव भी इसका प्रमुख कारण है। जिन देशो मे लोग यथेष्ट परिश्रमि और कुशल नही होते है। इनमे आर्थिक उन्नति नही हो पाती है और यह विकास मे पीछे रह जाते है।

(4) राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी :- राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी भी इसका प्रमुख कारण है। क्योंकि जिन लोगो के हाथो मे सत्ता होता है वह निहित ही समाज के सम्पन्न वर्ग से सम्बंध रखते है। तथा यह वर्ग विलासता पूर्ण जिन्दगी का आदी बन चुका होता है।

BSEMP

योग पूर्व पृष्ठ

प्रश्न - 16 का उत्तर

पर्यावरण प्रदूषण - पर्यावरण दो शब्दो से मिलकर बना है।
परि + आवरण = पर्यावरण

अर्थात जो वातावरण हमे चारो ओर से घिरे हुये है पर्यावरण है।

जैसे जीवन्त सेल कहा है। तथा पञ्चवातावरण प्रकृति का पर्दा बताया है। जो वातावरण को अवरुद्ध करता है। तथा उसे सुरक्षित रखता है।

(पर्यावरण के प्रकार)

वातावरण मे अवांछित हानिकारक तत्वो का प्रवेश होना ही पर्यावरण प्रदूषण है।

(पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार)

(1) ध्वनि प्रदूषण
(2) वायु प्रदूषण
(3) जल प्रदूषण
(4) मृदा प्रदूषण
(5) रेडियोधर्मी या तापीय प्रदूषण

1) ध्वनि प्रदूषण :- वातावरण मे अवांछनीय हानिकारक आवाजो का प्रवेश ध्वनि प्रदूषण कहलाता है इसमे अधिक ध्वनि से बहरापन भी बढ जाता है।

(2) वायु प्रदूषण :- वायु मे या वायुमण्डल मे आक्सीजन नाइट्रोजन कार्बन डाई आक्साइड की उपस्थि

वायुमण्डल को प्रदूषित करती है।

जल प्रदूषण :- मे जल मे गंदे कूड़ा करकट का बढ़कर मिलना तथा इसमे प्रदूषित पानी मे पानी के जीव जन्तु भी नष्ट होते है। साथ ही यह किसी काम का नहीं रहता इस प्रकार जल मे कूड़ाकर बढ़कर आना जल प्रदूषण कहता है।

मृदा प्रदूषण :- मृदा प्रदूषण मे मिट्टी मे अधिक उन्नत किस्म के बीजो का उपयोग करना और अधिक सिंचाई अधिकता से मिट्टी का कटाव होता है तथा मृदा प्रदूषण बढ़ता है।

भूतापीय प्रदूषण :- रेडियो धार्मिक किरणो के भू सतह पर आना तथा इसमे पृथ्वी के ताप को बदला और इससे अनेक रोगो मे भी वृद्धि होती है।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

B S E M P

प्रश्न- 17 का उत्तर

(1) अपने स्वतंत्र निर्णय की क्षमता को बनाये रखना।
(2) एक राष्ट्र निर्माण की कामना करना।
(3) आर्थिक सहायता उपलब्ध करना।
(4) विश्व शान्ति में सहयोग करना।
(5) सभी राष्ट्रों से मैत्रीपूर्ण सम्बंध रखना।

(1) अपने स्वतंत्र निर्णय की क्षमता :- भारत किसी भी गुट में शामिल हो के अपने स्वतंत्र निर्णय की क्षमता को नहीं खोना चाहता था। तथा अपने निर्णय को बरकरार बनाने के लिए इसने गुटनिरपेक्षता की नीति का अनुसरण किया।

(2) एक राष्ट्र की भावना :- भारत स्वतंत्रता के समय न तो एक बड़ी शक्ति था और न ही एक छोटी इसने बड़ी शक्ति बनने की सम्भावना थी। इस प्रकार इसने गुटनिरपेक्षता का अनुगमन किया।

(3) आर्थिक सहायता :- भारत की वर्तमान आवश्यकता आर्थिक विकास की थी तथा इसने यदि एक गुट में शामिल हो जाता तो केवल एक ही गुट से सहायता प्रदान कर पाता लेकिन यह अधिक सहायता उत्पन्न करने की गुटनिरपेक्षता का अनुगमन किया।

पृष्ठ क्र...

(५) विश्व शान्ति में सहायता बनाये रखना :- विश्व शान्ति की भावना को बनाये रखना तथा सभी से मैत्रीपूर्ण सम्बंधो की कामना से भी भारत ने गुट निरपेक्षता की नीति का अनुसरण किया।

प्रश्न-18 का उत्तर :-

भारत-पाक सम्बंध :- भारत पाकिस्तान सम्बंध एशिया के दो देशो के मध्य कटुता का प्रमुख कारण बने हुये है। भारत पाकिस्तान की नीति में कार्यवाही को अपने सम्मुख समझता है। तथा पाकिस्तान भारत की किसी भी नीति को अपने विरुद्ध मानता है। इस प्रकार पाक-भारत सम्बंध दोनो में दोषपूर्णता का कारण बने हुये है।

सन-1971 से भारत ने बंगलादेश का निर्माण किया पाकिस्तान तब से सभी कार्यवाही को अपने विमुख समझता है। तथा भारत-पाक के मध्य अनेक समझौते और संधि भी हुई इसमें शिमला समझौता 1972 तथा अन्य को शान्तिपूर्ण व्यवहार भी किया गया।

भारत-पाक में कश्मीर समस्या को लेकर भी विवाद बना रहता है। यह 60 वर्षो से लगातार चला आ रहा है। इस विवाद को खत्म करने वाले तथा भरपूर प्रयास किये गये लेकिन कि अभी इसका निपटारा नही किया गया।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

इस मामले को सुरक्षा परिषद में भी उठाया गया लेकिन कई दिनों तक यह विचाराधीन रहा।

1965 का भारत-पाक युद्ध :- 1965 में पाकिस्तान ने भारत पर आक्रमण कर दिया तथा इस आक्रमण में चीन तथा अमेरिका दोनों ने सहयोग किया और भारत इस पर अपनी विजय करने में समक्ष रहा परन्तु पाकिस्तान ने फिर भी अनेक बार आक्रमण किये पाकिस्तान ने 1971 को और फिर 1999 में आक्रमण किया हालांकि पाकिस्तान सभी बार हारा।

1999 का कारगिल संघर्ष :- 1999 में पाकिस्तान ने भारत की बटालिक और द्रास पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया तथा पाकिस्तान ने सीमापार आतंकी सैनिक और कई बागान [illegible] भेजे थे भारत ने अपनी सेना को इसको निकालने का आदेश दिया और करीब 2 माह बाद भारत इसको पीछे धकेलने में सफल हो सका।

2001 की संसद पर आक्रमण :- 2001 में पाकिस्तान ने भारतीय संसद पर आक्रमण कर दिया तथा इसका भारत ने जिम्मेदार पाकिस्तान विरोधी कार्यवाही करने का आदेश दिया परन्तु पाकिस्तान ने सबूत की मांग की और भारत-पाकिस्तान सम्बंधों में तब से अब तक और सितम्बर को भोपाल ताज महल होटल के आक्रमण से पाकिस्तान-भारत सम्बंध लगातार तनाव पूर्ण बने हुये है।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों क.

प्रश्न - 19 का उत्तर

निशस्त्रीकरण के प्रकार
(1) समग्र निशस्त्रीकरण
(2) सामान्य निशस्त्रीकरण
(3) परमाणु निशस्त्रीकरण
(4) पूर्ण निशस्त्रीकरण
(5) व्यवस्थापन निशस्त्रीकरण
(6)

(1) समग्र निशस्त्रीकरण :- इसमे सभी प्रकार के अस्त्र शस्त्रो पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

(2) सामान्य निशस्त्रीकरण :- इसमे कुछ सामान्य अस्त्र शस्त्रो या हथियारो पर प्रतिबंध लगाया गया।

(3) परमाणु निशस्त्रीकरण :- इसमे परमाणु शस्त्र उत्पन्न करना तथा इसका सैनिक गति विधियो मे उपयोग करने पर नियंत्रण लगा दिये गये।

(4) पूर्ण निशस्त्रीकरण :- इसमे सभी प्रकार के हथियारो पर प्रतिबंध लगाना और अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति की व्यवस्था करना था।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(5) व्यवस्थापन निरस्तीकरण :- इसमें व्यवस्था को अपनी मनमानी करने में तथा अधिकारों का अधिक प्रयोग करने में रोक लगा दिया गया।

BSEMP

प्रश्न - 20 का उत्तर

(1) जन सम्प्रभुता पर आधारित राष्ट्र
(2) लिखित और निर्मित
(3) कठोर लचीलेपन का अद्भुत सम्मिश्रण
(4) धर्म निरपेक्षता
(5) सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी लोकतंत्रिक गणराज्य
(6) एक संघात्मक लक्षणों वाली एकात्मक व्यवस्था
(7) संघीय शासन व्यवस्था
(8) मौलिक कर्तव्यों का समावेश।
(10) अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण

(1) जन सम्प्रभुता पर आधारित :- भारतीय संविधान जन सम्प्रभुता पर सम्पन्न राष्ट्र है।

पृष्ठ के अंकों का योग

इसमे व्यक्ति को अपने प्रतिनिधित्व चुनने का स्वयं अधिकार दिया गया है। तथा इसकी प्रस्तावना मे जन सम्प्रभुता का ही उल्लेख किया गया है।

लिखित निर्मित :- भारत का संविधान लिखित निर्मित संविधान है। इसमे 395 अनुच्छेद 12 अनुसूचियाँ है। इसी कारण इसका आकार लम्बा हो गया है। तथा इसमे संसार के सबसे अधिक बड़ा माना जाने का श्रेय प्राप्त है।

कठोर और लचीलेपन का अद्भुत सम्मिश्रण :- भारतीय संविधान मे कठोर तथा लचीलापन दोनो पाये जाते है। साधारणतया जिस विधि से साधारण कानूनो का निर्माण किया जाये वह लचीला है। लेकिन जिसमे विशिष्ट विधि का सहारा लिया जाये वह कठोर इस अर्थ मे भारत के मिश्रण है।

धर्मनिरपेक्षता :- भारत मे धर्म निरपेक्ष राज्य की स्थापना की गयी है। इसमे भारत किसी भी राष्ट्र को धर्म के मामले मे स्वतन्त्र होगा और सभी धर्मो को समान अधिकार दिया जायेगा।

सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न :- भारत का संविधान सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न है। यह अपने आंतरिक और मामलो मे पूर्णतया स्वतंत्र है।

(25) - (5)

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षक के लिये

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

[redacted]

1. केन्द्र की सील
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक
6. परीक्षा का नाम हायर सेकेण्डरी
7. विषय राजनीति शास्त्र 8. माध्यम हिन्दी
8. दिनांक 23.03.09

पृष्ठ

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न 21 का उत्तर

गुट निरपेक्ष आन्दोलन की उपलब्धियाँ।

(1) शान्ति सहयोग में वृद्धि।

(2) परमाणु युद्ध का खतरा समाप्त

(3) संयुक्त राष्ट्र संघ की व्यवस्था में परिवर्तन उपनिवेश - तथा साम्राज्यवाद का विरोध

(4) ~~सोवियत संघ की आर्थिक स्थिति में परिवर्तन~~

(5) मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों को बनाये रखना। जातिवाद का विरोध

(1) शान्ति सहयोग में वृद्धि :- गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों की वजह से संयुक्त राष्ट्र संघ में ~~बढ़ती संख्या~~ से इसके सदस्यों की आस्था प्रकट होने लगी और गुटनिरपेक्षता से अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति सहयोग में वृद्धि हुई। सभी राष्ट्र शान्ति की दिशा में अग्रसर हुये क्योंकि लम्बे समय से यह स्वयं किसी न किसी के उपनिवेश में रहे तथा उन्होंने उपनिवेशवाद का विरोध किया।

2

परमाणु युद्ध का खतरा :- परमाणु युद्ध का भय उठना इसमें प्रमुख कारण था दोनों ने सोचा यदि तीसरा युद्ध होगा तो विध्वंस होगा और सम्पूर्ण राष्ट्र नष्ट हो जायेगा। इस प्रकार परमाणु का खतरा उत्पन्न होने से गुटनिरपेक्षता को सहायता मिली।

रंगभेद - जातिभेद का विरोध :- गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों ने भी जातिवाद तथा रंगभेद वाद का विरोध भी किया।

उपनिवेशवाद का विरोध :- उपनिवेशवाद का विरोध भी इन राष्ट्रों ने किया क्योंकि स्वयं यह राष्ट्र लम्बे समय तक उपनिवेश रहे।

सभी राष्ट्रों से मैत्रीपूर्ण सम्बंधों का बनाना :- सभी राष्ट्रों से मैत्रीपूर्ण सम्बंध बनाने को भी गुटनिरपेक्षता ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन किया तथा गुटनिरपेक्षता से सभी में आपसी सहयोग का वातावरण बना और विश्व शांति में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

अंकों का योग

Aas081.pm5

3

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

माध्यमिक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग